साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 30 गोंदिया : गुरुवार, 3 से 9 मार्च 2022 ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

१३ मार्च से गोंदिया बिरसी एयरपोर्ट से उड़ान भरेंगे यात्री विमान

इंदौर - गोंदिया - हैदराबाद - गोंदिया - इंदौर सेवा होंगी शुरु

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के ब्रिटिशकालीन बिरसी एयरपोर्ट का आधुनिकरण हुए 10 वर्ष से अधिक समय हो चुका था। लेकिन अब तक यात्री विमान सेवा शुरु नहीं हो पाई थी। जिसके लिए सांसद सुनील मेंढे द्वारा निरंतर प्रयास शुरु किए जाने के फलस्वरुप 13 मार्च 2022 से इंदौर - गोंदिया - हैदराबाद - गोंदिया - इंदौर यात्री विमान सेवा प्रतिदिन फ्लाई बिग विमान सेवा कंपनी द्वारा शुरु की जाएगी। जिसके लिए उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है। इस प्रकार की जानकारी बिरसी एयरपोर्ट पर आयोजित पत्र परिषद में सांसद मेंढे द्वारा दी गई है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले का बिरसी एयरपोर्ट ब्रिटिशकालीन एयरपोर्ट था। जो सैनिक उपयोग के लिए लाया जाता था। लेकिन 10 से 15 वर्ष पूर्व उसका आधुनिकीकरण कर उड़ान एकेडमी शुरु की गयी। सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होने के बावजूद तथा गोंदिया-भंडारा जिले व आसपास के जिलों के तथा पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के बालाघाट, सिवनी आदि क्षेत्रों के नागरिकों की अनेक वर्षों की मांग थी कि यहां से यात्री विमान सेवा शुरु की जाए। जिसके लिए सांसद सुनील मेंढे द्वारा 3 वर्षों से प्रयास शुरु किया गया था। उड्डयन मंत्रालय से निरंतर पत्र व्यवहार शुरु था। उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य के पदभार संभालने के पश्चात इस कार्य को गति मिली तथा मंत्री द्वारा यात्री विमान सेवा को मंजूरी प्रदान कर फ्लाई बिग विमान कंपनी को इस रुट पर विमान उड़ाने की मंजूरी प्रदान की गई।

जिसमें इंदौर - गोंदिया - हैदराबाद - गोंदिया - इंदौर विमान सेवा 13 मार्च से शुरु होंगी। जिस की अधिकृत घोषणा बिरसी एयरपोर्ट पर आयोजित पत्र परिषद में सांसद सुनील मेंढे, फ्लाई बिग के संचालक संजय मांडवीय ने की है। जिसके लिए 1 मार्च से ऑनलाइन और ऑफलाइन टिकट बुकिंग भी शुरु होंगी। जिसमें न्यूनतम टिकट 1999 रुपए तथा अधिकतम 2600 रुपए तक निश्चित की गई है। उपरोक्त विमान इंदौर से सुबह 7.30 बजे उड़ान भरकर 8.30 पर गोंदिया तथा 10.00 बजे हैदराबाद पहुंचेगा, इस प्रकार की जानकारी दी है। इस अवसर पर फ्लाई बिग के संचालक संजय मांडवीय ने जानकारी दी कि आगे भी अन्य रुटों पर विमान सेवा शुरु करने का उनका मानस है।

आयोजित पत्र परिषद में सांसद सुनील मेंढे, फ्लाई बिग कंपनी के संचालक संजय मांडवीय, रीजनल हेड रतन अंभोरे, बिरसी एयरपोर्ट विमान पदाधिकारी के.वी. बैजु, सलाहकार समिति सदस्य गजेंद्र फुंडे व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

गोपाल अग्रवाल पहले यात्री

बुलंद गोंदिया - गोंदिया के बिरसी एयरपोर्ट से 13 मार्च को यात्री विमान सेवा शुरु हो रही है। जिसके लिए 2 मार्च 2022 को दोपहर 1 बजे इंदौर से गोंदिया कमर्शियल फ्लाइट की बुकिंग शुरु की गई। जिसमें गोंदिया के युवा जागृति के अध्यक्ष राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अग्रवाल को पहली टिकट फ्लाई बिग कंपनी द्वारा प्रदान की गई। गोपाल अग्रवाल इंदौर से उड़ान भरनेवाली पहली हवाई सेवा के प्रथम यात्री होंगे। जिनका टिकट का पीएनआर नंबर 6UUHEJ तथा सीट क्रमांक 1 है। विमान इंदौर से 13 मार्च रविवार को सुबह 10.20 पर उड़ान भरेगा। जो गोंदिया 11.45 पर पहुंचेगा। जिसके लिए गोपाल अग्रवाल द्वारा फ्लाई बिग कंपनी के सीएमडी मांडवीया एवं ऑपरेशन हेड रतन आंभोरे को धन्यवाद दिया है कि उन्हें प्रथम यात्री बनने का अवसर दिया गया।

फिर गैंगवार का आतंक

एक ही दिन में हत्या की ३ घटनाओं से दहला गोंदिया जिला

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर में अपराधिक गुटों के गैंगवार पर काफी समय से अंकुश लगा हुआ था, लेकिन अब फिर से शहर में अपराधिक तत्वों के बीच गैंगवार शुरु हो चुकी है। इसी के अंतर्गत रामनगर पुलिस थाना क्षेत्र में 23 फरवरी की रात दो गुटों में हुई मुठभेड़ के चलते एक युवक की मौत हो गई, वही दूसरा युवक गंभीर रुप से जख्मी हो गया। जिसे उपचार के लिए नागपुर रेफर किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सांवराटोली निवासी युवक राजा महेश साडेकर (27) का मरारटोली टी-प्वाइंट में घटना के दिन बसंत नगर निवासी आरोपी नरेश नागपुरे व अन्य 7 से 8 युवकों का विवाद हुआ था। जिसके पश्चात बसंत नगर में इस घटना के बाद फिर से विवाद हुआ। जिसके चलते दोनों गुटों में खूनी संघर्ष हुआ, जिसमें आरोपी व अन्य सहयोगियों द्वारा जघन्य रुप से राजा सांडेकर की हत्या कर दी गयी। जिसमें उसके सिर पर लाठी-डंडों व भारी पत्थरों से हमला कर कुचल दिया तथा उसके एक साथी सावराटोली निवासी आशीष ठाकुर (26) गंभीर रुप से जख्मी हो गया। जिसे उपचार के लिए नागपुर रवाना किया गया।

इस घटना के पश्चात पुलिस उपअधीक्षक गृह दिनकर ठोसरे, रामनगर पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक देवीदास कठाले ने जानकारी दी कि अब तक सभी आरोपी फरार हैं। जिनकी तलाश के लिए पुलिस के विशेष पथक का गठन कर विभिन्न क्षेत्रों में तलाश की जा रही है।

उपरोक्त मामले में रामनगर पुलिस थाने में भादवि की धारा 302 ,307, 143 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एक ही दिन में हत्या की 3 घटनाओं से दहला जिला

गोंदिया जिले में 23 फरवरी बुधवार का दिन हत्या की वारदातों के रुप में सामने आया। जिसमें एक ही दिन में तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र अंतर्गत तीन हत्या के मामले घटित हुये। जिसमें पहला मामला आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत एक 17 वर्षीय युवक की फिरौती के चलते अपरहण कर हत्या की गई। वही दूसरा मामला रावणवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले चिरामनटोला निवासी 18 वर्षीय युवती की 20 वर्षीय युवक द्वारा सिर पर हथौड़े से वार कर हत्या कर दी गयी। वहीं तीसरा मामला उसी दिन रात 11 बजे के दौरान बसंत नगर क्षेत्र में घटित हुआ। जिसमें गैंगवार के आपसी खूनी संघर्ष के चलते एक युवक राजा साडेकर की जघन्य हत्या हो गई तथा दूसरा युवक आशीष ठाकुर गंभीर रुप से जख्मी हो गया।

राजा सांडेकर हत्याकांड

७ आरोपी पुलिस की हिरासत में

३ मार्च तक पीसीआर
जख्मी आशीष ठाकुर की उपचार के दौरान मौत

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के बसंत नगर परिसर में हुई गैंगवार में सांवराटोली निवासी युवक राजा सांडेकर की जघन्य हत्या में शामिल 7 आरोपियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिन्हें न्यायालय में पेश किए जाने पर 3 मार्च तक पीसीआर में भेजा गया। इस हमले में दूसरे जख्मी आशीष ठाकुर की नागपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर में आपराधिक गुटों के गैंगवार के चलते 23 फरवरी की रात बसंत नगर क्षेत्र में दो गुटों में हुए संघर्ष में सांवराटोली निवासी युवक राजा सांडेकर की जघन्य हत्या हुई थी। इस हमले में उसका एक साथी आशीष ठाकुर भी गंभीर रुप से जख्मी हो गया था। जिसे उपचार के लिए नागपुर रवाना किया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान शुक्रवार की सुबह मौत हो गई।

उपरोक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार पुलिस दल के पथक तैयार कर आरोपियों की कड़ाई से तलाश शुरु की गई। जिसमें गोंदिया पुलिस को सफलता प्राप्त हुई तथा इस हत्याकांड में शामिल सात आरोपियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसमें बसंत नगर निवासी नरेश नागपुरे, शुभम बेतवार, अमर बनाफर, नारायण शर्मा, धीरज ऊके, अजय बंसोड़ तथा अजय लिल्हारे का समावेश है। सभी आरोपियों को गोंदिया न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय द्वारा उन्हें 3 मार्च तक पुलिस हिरासत (पीसीआर) में भेजा गया।

इस मामले में पुलिस निरीक्षक देवीदास कठाले द्वारा मामले की जांच की जा रही है। उपरोक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, पुलिस उप अधीक्षक गृह दिनकर ठोसरे, उपविभागीय पोलीस अधिकारी गोंदिया पराते के मार्गदर्शन में की गई।

हिरासत से फरार आरोपी धराया

बुलंद गोंदिया - आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत बनगांव निवासी 17 वर्षीय नाबालिग चेतन खोबरागडे की 10 लाख फिरौती की मांग को लेकर गला दबाकर हत्या करने का आरोपी दुर्गा प्रसाद हरिनखेडे (24) पुलिस की हिरासत से 25 फरवरी की सुबह 8 बजे शौच के दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी को धक्का देकर फरार हो गया था।

इस घटना से संपूर्ण पुलिस महकमे में खलबली मच गई थी तथा पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के दिशानिर्देश अनुसार विभिन्न पथक बनाकर आरोपी की तलाश शुरु की गयी। इसी दौरान आरोपी के जीजा को आमगांव पुलिस थाने में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। जिसने अपने घर में सूचना दी कि आरोपी के आने पर तत्काल उसे पकड़कर इसकी जानकारी गोंदिया पुलिस को दी जाए ।

आमगांव से फरार होकर आरोपी मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के वारासिवनी तहसील के अंतर्गत आनेवाले आरंभा घोटी में अपनी बहन के गांव पहुंचा। किन्तु उसके पहुंचने के पूर्व ही उसकी सूचना पहुंच चुकी थी। जिसके चलते ग्रामीणों द्वारा आरोपी को पकड़कर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द किया गया। जिसके पश्चात स्थानीय पुलिस द्वारा आरोपी को गोंदिया पुलिस के हवाले किया।

खड़े ट्रक से टकराई ट्रैवल्स बस

भूपेंद्र रंगारी, तिरोड़ा - गोंदिया जिले के तिरोड़ा तहसील में गोंदिया-तिरोडा मार्ग पर 25 फरवरी की दोपहर 4 बजे एक विचित्र सड़क दुर्घटना हुई। जिसमें अदानी पावर प्लांट के समीप आईटीआई के सामने मार्ग पर ट्रक क्रमांक एमएच 40 / 7096 खड़ा था। वहीं पास में ही मार्ग पर दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच 35 / एएम 3787 का चालक नवरगांव निवासी होमराज कटरे खड़ा था। इसी दौरान बारातियों से भरी ट्रेवल्स बस क्रमांक एमएच 04 / एफके 1992 ने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें दुपहिया वाहन मार्ग पर खड़ा कर रुके होमराज बाबुलाल कटरे (60) बस से टकराकर बस के पिछले चक्के में आ गया। जिसमें उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना इतनी विचित्र थी कि टक्कर बस व ट्रेवल्स की हुई किंतु मौत मार्ग पर खड़े दुपहिया चालक की हो गई।

घटना की जानकारी तिरोड़ा पुलिस को प्राप्त होते ही घटनास्थल पर पहुंच पंचनामा कर मृतक के शव को तिरोड़ा के उपजिला चिकित्सालय में भेजा गया तथा मामले की जांच शुरु की गयी।

किसानों से कृषि व घरेलू विद्युत बिलों में हो रही लूट

विधायक विनोद अग्रवाल का बिजली कार्यालय पर मोर्चा
अधीक्षक अभियंता को सौपा चेतावनी पत्र, मांगे पूरी न होने पर तीव्र आंदोलन की चेतावनी

बुलंद गोंदिया - क्षेत्र के किसानों को कृषि बिजली कनेक्शन के बिल बिना रिडिंग लिए भेजे जा रहे हैं। अनाप-शनाप बिलों एवं घरेलू बिजली कनेक्शन पर अधिभार के नाम पर हो रहीं लूट को लेकर गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने रामनगर के बिजली विभाग में जाकर मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपा। साथ ही रखी गई मांग पर ध्यान न देने पर तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी।

विधायक अग्रवाल ने कहा, बिजली विभाग द्वारा कृषि विद्युत पंप के बिना रिडिंग लिए अनाप-शनाप बिल किसानों को भेजे जा रहे। नहीं भरने पर उनके मीटरों की बिजली काटी जा रही है। उन्होंने कहा कृषि के 3 एचपी के पंम्प के लिए प्रतिमाह तकरीबन 1 हजार रुपये बिल आना चाहिए, परंतु किसानों को भारी भरकम बिल भेजकर लूटा जा रहा है। किसानवर्ग बिलों का भुगतान करने सकारात्मक पहल पर है, परन्तु बिलों की रकम देख वे खुद को लूटा महसूस कर रहे है। इन बिलो में दुरुस्ती की जानी चाहिये। बिजली कनेक्शन काटने के पूर्व बिजली उपभोक्ताओं को समय सीमा मिलना चाहिये।

गोंदिया तहसील में अनेक किसानों ने विद्युत कनेक्शन हेतु विद्युत विभाग को डिमांड भर चुके है, परंतु उनको कनेक्शन नही दिया गया। ऐसे किसानों के पेंडिंग कनेक्शन को त्वरित जोड़ा जाए। इसके साथ ही जिन गांवों में फीडर के माध्यम से 24 घन्टे बिजली की आपूर्ति की जाती थी, उन गांवो में अब सिर्फ 8 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। जिससे पानी के अभाव में खड़ी फसल को नुकसान हो रहा है। इन गांवो में 24 घण्टे बिजली आपूर्ति की जाए।

इन सभी मांगो पर एमएसईबी के मुख्य अभियंता वाघमारे ने संज्ञान लेकर अपने अधीनस्थ अधिकारियों को त्वरित शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। वहीं विद्युत कनेक्शन डिमांड भरे गए पेंडिंग कनेक्शन के मसले को पांच दिन के भीतर हल करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही कृषि के आ रहे ज्यादा बिलों को सुधारकर भेजने हेतु आश्वस्त किया।

ज्ञापन देते समय विधायक विनोद अग्रवाल के साथ भाऊराव ऊके, छत्रपाल तुरकर, पंस सदस्य मुनेश रहांगडाले, जिप सदस्य ममता वाड़वे, दीपा चन्द्रिकापुरे, कु.अनंदा वाढीवा, कु. वैशाली पंधरे, पंस सदस्य हिरामन दहाट, कनीराम तवाड़े, सौ. शैलजा सोनवाने, सौ. विद्याकला पटले, शशिकला कटरे, सोनुला बरेले, मिनाक्षी बारसिंगे, मंजू डोंगरे, जितेश्वरी रहांगडाले, प्रभाकर ढोमने, लीमेंद्र बिसेन, चेतन बहेकार, दिलीपसिंह मुंडेले, लखन हरिनखेड़े, कमलेश सोनवाने, चन्द्रशेखर वाड़वे, टीटूलाल लिल्हारे, केवलराम तुरकर, कृष्णकुमार नागपुरे, रमेश तुरकर, पन्नालाल तुरकर, मोहन गौतम, शालिकराम शरणागत, धनजंय तुरकर, ज्ञानचंद जमाईवार, धनीराम अंबुले सहित किसानवर्ग उपस्थित था।

नगर परिषद आम चुनाव २०२२

बुलंद गोंदिया सर्वेक्षण

सभी प्रभागों के पूर्व पार्षदों के कार्यों का लेखा-जोखा

नये उम्मीद्वारों के शहर के विकास संबंधी विचार

नये उम्मीद्वारों के संदर्भ में जनता की राय

जल्द ही... आगामी अंकों में...

सप्ताहिक बुलंद गोंदिया

रेगुलेशन ऑफ न्यूज (पेपर्स) सेंट्रल रुल्स 1956 के अनुसार हिंदी साप्ताहिक बुलंद गोंदिया (हिंदी) के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण।

घोषणा

(फार्म - 4)

1.	प्रकाशन का स्थान	:	बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया 441601 महा.
2.	प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक
3.	मुद्रक	:	भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गोंदिया
	नागरिकता	:	भारतीय
	स्थान	:	गुरुनानक वार्ड गोंदिया
4.	प्रकाशक	:	नवीन एम. अग्रवाल
	नागरिकता	:	भारतीय
	निवास स्थान	:	आशीर्वाद वेट पाईंट के पीछे, सुभाष वार्ड, मुर्री रोड, गोंदिया (महाराष्ट्र)
5.	संपादक	:	नवीन एम. अग्रवाल
	नागरिकता	:	भारतीय
	निवास स्थान	:	आशीर्वाद वेट पाईंट के पीछे, सुभाष वार्ड, मुर्री रोड, गोंदिया (महाराष्ट्र)
6.	पत्र का स्वामित्व	:	नवीन एम. अग्रवाल
	नागरिकता	:	भारतीय
	निवास स्थान	:	आशीर्वाद वेट पाईंट के पीछे, सुभाष वार्ड, मुर्री रोड, गोंदिया (महाराष्ट्र)

मैं नवीन एम. अग्रवाल घोषित करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है।

नवीन एम. अग्रवाल
(प्रकाशक)

दिनांक : 3 मार्च 2022

संपादकिय

जंग की कीमत

रुस-यूक्रेन का युद्ध भले दो देशों के बीच होता दिख रहा हो, पर इसकी मार किसी न किसी रुप में पूरी दुनिया को झेलनी पड़ेगी। संकट सिर्फ यही नहीं है कि हमले में निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं, लाखों लोग बेघर हो रहे हैं, शरणार्थी बनकर दूसरे देशों में जा रहे हैं और यूक्रेन में भारी तबाही हो गई है, बल्कि इसका असर अमेरिका, यूरोप से लेकर चीन तक पर पड़े बिना नहीं रहने वाला। डर यह है कि रुस-यूक्रेन की यह जंग दुनिया के ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था को फिर से चौपट न कर दे।

पिछले कुछ दिनों से इसका असर दिखने भी लगा है। चीन, जापान से लेकर भारत और यूरोप-अमेरिका तक के शेयर बाजारों में मची उथल-पुथल इस बात का संकेत दे रही है। संकट ज्यादा गंभीर इसलिए भी है कि पिछले दो साल में कोरोना महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को तबाह कर डाला है। कुछ ही देश हैं जो अपनी अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौट आने का दावा कर रहे हैं। जबकि ज्यादातर देश तो आर्थिक संकट और मंद वृद्धि दर से जूझ ही रहे हैं।

गौरतलब है कि महामारी से उपजे संकट से उबरने के लिए सभी देशों को बड़े उठाने पड़े। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए प्रोत्साहन पैकेज भी जारी किए। भारी-भरकम रकम अर्थतंत्र में डाली जा रही है। लेकिन अभी भी विकास दर कम रहने का जोखिम बना हुआ है। फिर, बढ़ती बेरोजगारी, ऊंची महंगाई दर, औद्योगिक उत्पादन में गिरावट, बाजारों में मांग की कमी जैसे संकट तो बने ही हुए हैं। ऐसे में अगर दुनिया के बड़े देश जंग में कूदने लगें और सख्त आर्थिक प्रतिबंधों जैसी स्थितियां बनने लगें तो हालात बिगड़ने लाजिमी हैं।

जिन देशों के यूक्रेन और रुस के साथ कारोबारी रिश्ते हैं, उनके लिए और भी मुश्किलें खड़ी होंगी। वैश्विक व्यापार में हर देश एक दूसरे पर निर्भर रहता है। जाहिर है, ऐसे में रुस पर आर्थिक प्रतिबंध लगने से उन देशों के कारोबार भी प्रभावित होंगे जिनके साथ उसके साथ द्विपक्षीय समझौते हैं। भारत ही यूरोपीय देशों के साथ कई तरह के सामान का निर्यात और आयात करता है। अगर कुछ समय के लिए भी व्यापार में बाधा आ जाती है तो स्थानीय पर इसका असर पड़ते देर नहीं लगने वाली।

रुस-यूक्रेन जंग का पहला बड़ा असर तो कच्चा तेल महंगा होने के रुप में सामने आ चुका है। कच्चे तेल के दाम किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर सबसे पहले और तेजी से असर डालते हैं। गौरतलब है कि यूरोपीय संघ के देशों को गैस और तेल सबसे ज्यादा रुस ही बेचता है। ऐसे में अगर रुस पर पाबंदियां लंबे समय तक रह गई तो उसकी तो हालत बिगड़ेगी ही, उन देशों को भी भारी मुश्किलें झेलनी पड़ेंगी जो उससे ईंधन खरीदते हैं। कच्चे तेल के बढ़ते दाम महंगाई बढ़ाने में आग में घी काम करते हैं। इससे जीवन जीने की लागत बढ़ती जाती है।

गौरतलब है कि यूरोप के देश पहले से ही भयानक आर्थिक संकट में हैं। यानी युद्ध की वजह से जो हालात पैदा हो रहे हैं, वे हर देश के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। फिर, पिछले दो साल में ज्यादातर देशों में गरीबी बढ़ी है, बेरोजगारी भी बढ़ रही है और लोगों की आय में भारी गिरावट आई है। इस वक्त सरकारों के सामने बड़ी चुनौती अर्थव्यवस्था को और गड्ढे में जाने से बचाने की है। ऐसे में रुस-यूक्रेन संकट लंबा खिंच गया तो दुनिया एक और नए जंजाल में फंस जाएगी।

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस हर वर्ष, 8 मार्च को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों एवं कठिनाइयों की सापेक्षता के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है।

इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा चयनित राजनीतिक और मानव अधिकार विषयवस्तु के साथ महिलाओं के राजनीतिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए मनाया जाता हैं। कुछ लोग बैंगनी रंग के रिबन पहनकर इस दिन का जश्न मनाते हैं। सबसे पहला दिवस, न्यूयॉर्क शहर में 1909 में एक समाजवादी राजनीतिक कार्यक्रम के रुप में आयोजित किया गया था। 1917 में सोवियत संघ ने इस दिन को एक राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया, और यह आसपास के अन्य देशों में फैल गया। इसे अब कई पूर्वी देशों में भी मनाया जाता है।

इतिहास

अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी के आहवान पर, यह दिवस सबसे पहले 28 फ़रवरी 1909 को मनाया गया। इसके बाद यह फरवरी के आखिरी इतवार के दिन मनाया जाने लगा। 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के कोपेनहेगन सम्मेलन में इसे अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया। उस समय इसका प्रमुख ध्येय महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिलवाना था, क्योंकि उस समय अधिकतर देशों में महिला को वोट देने का अधिकार नहीं था।

1917 में रुस की महिलाओं ने, महिला दिवस पर रोटी और कपड़े के लिये हड़ताल पर जाने का फैसला किया। यह हड़ताल भी ऐतिहासिक थी। ज़ार ने सत्ता छोड़ी, अन्तरिम सरकार ने महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया। उस समय रुस में जुलियन कैलेंडर चलता था और बाकी दुनिया में ग्रेगेरियन कैलेंडर। इन दोनों की तारीखों में कुछ अन्तर है। जुलियन कैलेंडर के मुताबिक 1917 की फरवरी का आखिरी इतवार 23 फरवरी को था, जबकि ग्रेगेरियन कैलैंडर के अनुसार उस दिन 8 मार्च थी। इस समय पूरी दुनिया में (यहां तक रुस में भी) ग्रेगेरियन कैलैंडर चलता है। इसी लिये 8 मार्च महिला दिवस के रुप में मनाया जाने लगा।

प्रसिद्ध जर्मन एक्टिविस्ट क्लारा ज़ेटकिन के जोरदार प्रयासों के बदौलत इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस ने साल 1910 में महिला दिवस के अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप और इस दिन पब्लिक हॉलीडे को सहमति दी। इसके फलस्वरुप 19 मार्च, 1911 को पहला IWD ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और जर्मनी में आयोजित किया गया। हालांकि महिला दिवस की तारीख को साल 1921 में बदलकर 8 मार्च कर दिया गया। तब से महिला दिवस पूरी दुनिया में 8 मार्च को ही मनाया जाता है।

आधुनिक संस्कृति में

अफ़ग़ानिस्तान, अंगोला, आर्मेनिया, आज़रबाइजान, बेलारुस, बुर्किना फासो, कंबोडिया, चीन (केवल महिलाओं के लिए), क्यूबा, जॉर्जिया, गिन्नी - बिसाउ, इरीट्रिया, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, मकदूनिया (केवल महिलाओं के लिए), मडागास्कर (केवल महिलाओं के लिए), माल्डोवा, मंगोलिया, नेपाल (केवल महिलाओं के लिए), रुस, ताजीकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, यूगांडा, यूक्रेन, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, और ज़ाम्बिया में यह दिन एक आधिकारिक अवकाश के रुप में रहता है।

कुछ देशों में, जैसे कैमरुन, क्रोएशिया, रोमानिया, मोंटेनेग्रो, बोस्निया और हर्जेगोविना, सर्बिया, बुल्गारिया और चिली में इस दिन कोई सार्वजनिक अवकाश नहीं होता, हांलाकि फिर भी इसे व्यापक रुप से मनाया जाता है। इस दिवस पर पुरुष प्राय: अपने जीवन में उपस्थित महिलाओं जैसे दोस्तों, माताओं, पत्नी, गर्लफ्रेंड, बेटियों, सहकर्मियों आदि को फूल या कुछ उपहार देते हैं। कुछ देशों में (जैसे बुल्गारिया और रोमानिया) यह दिन मातृ दिवस के रुप में मनाया जाता है, जहां बच्चे अपनी माताओं और दादी को उपहार भी देते हैं।

परमाणु युद्ध की धमकी

शीत युद्ध के दौरान दुनिया जिन परिस्थितियों की गवाह रही है वही परिस्थितियां यूक्रेन-रुस के बीच छिड़ी जंग के कारण बन रही है। रुस पर लग रहे चौतरफा प्रतिबंधों का जवाब रुस के राष्ट्रपति पुतिन ने देते हुए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना का जिक्र करके सबको सकते में डाल दिया है।

रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना का जिक्र करके अचानक सबको सकते में डाल दिया। दुनिया शीत युद्ध के दौरान इस तरह की परिस्थितियों की गवाह रही है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के पास भी इसके जवाब में अपनी सेना को परमाणु हमले के लिए तैयार रहने का आदेश देने का ऑप्शन था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत ने रविवार की दोपहर को सुरक्षा परिषद को भरोसा दिलाया कि रुस पर उनकी ओर से कोई खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पुतिन का यह कदम गैरजरुरी है और इससे सबकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। वाइट हाउस ने भी स्पष्ट किया है कि उसकी ओर से अलर्ट के स्टेटस में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके बावजूद पुतिन के इस अलर्ट संबंधी आदेश का परिणाम यह हुआ कि परमाणु युद्ध की आशंका दुनिया के सामने एक वास्तविक खतरे के रुप में आ खड़ी हुई है। इसके साथ ही यूक्रेन पर रुस का हमला, जिसे खुद पुतिन एक सीमित सैन्य कार्रवाई बता रहे थे, उसे एक ऐसे युद्ध के रुप में देखा जाने लगा, जिसके प्रभावों की व्यापकता किसी के काबू में नहीं रह गई है।

सवाल है कि हमले के बाद के इन चार दिनों में आखिर ऐसा क्या हुआ कि खुद पुतिन अपने शुरुआती दावों के उलट संकेत देने को मजबूर हो गए? जवाब चाहे जो भी हो, इससे इतना तो स्पष्ट हो ही जाता है कि यूक्रेन के खिलाफ शुरु की गई उनकी सैन्य कार्रवाई उतनी आसान साबित नहीं हुई, जितनी पुतिन को लगी थी। पुतिन के आहवान के बावजूद यूक्रेनी सेना में फूट, विभाजन या बगावत के कोई संकेत अभी तक नहीं दिखे हैं बल्कि आम यूक्रेनवासियों में इस हमले के खिलाफ जिस तरह का जज्बा दिख रहा है, उससे लगता नहीं कि आगे की राह भी रुसी सेना के लिए आसान रहने वाली है। इस बीच नाटो देशों ने यूक्रेन के पक्ष में सेना भले न भेजी हो, उनकी तरफ से हथियारों की सप्लाई भी खासी महत्वपूर्ण साबित होने वाली है। रविवार को यूरोपियन यूनियन ने इतिहास में पहली बार किसी युद्धरत देश को हथियारों की आपूर्ति करने का फैसला किया। मगर रुस के लिए इससे ज्यादा चिंताजनक है आर्थिक प्रतिबंधों का एलान।

यूरोपियन यूनियन कमिशन और अमेरिका की ओर से रुसी केंद्रीय बैंक पर प्रतिबंध लगाने और रुस को स्विफ्ट सिस्टम से आंशिक तौर पर निकालने का फैसला बेहद गंभीर है। स्विफ्ट एक मेसेजिंग प्लैटफॉर्म है जिसके जरिए तमाम देश विद्मीय लेन देन का निर्देश देते हैं और इससे 11,000 बैंकिंग और वित्तीय संस्थान जुड़े हुए हैं। इन कदमों से रुस के लिए आयात-निर्यात बिलों का भुगतान तो मुश्किल हो ही सकता है, उसकी पूरी विद्मीय व्यवस्था के बैठ जाने की भी नौबत आ सकती है। इसलिए रुस ने ब्याज दरों में भारी बढ़ोतरी के साथ कैपिटल कंट्रोल जैसे कदम उठाए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर साबित कर रही हैं कि आज के दौर में युद्ध किसी के लिए भी आसान विकल्प नहीं होता। पर क्या ये संकेत दोनों पक्षों को युद्ध विराम की ओर ले जाकर शांति की कोई सम्मानजनक राह ढूंढने को प्रेरित करेंगे? मौजूदा स्थितियों में हम इसकी बस उम्मीद ही कर सकते हैं।

यह लेख, देख आप नेक बन, शिव से जुड़ सकते हैं। यह बहुत बड़ा ब्लॉग है, लेकिन पढ़ते हुए आप सम्मोहित हो जाएंगे। इसे एकादश प्राचीन पुस्तक, ग्रन्थों के शब्दमणियों से पिरोया है। सारी खोजबीन के बाद अंत इतना ही है-

तेरी माया का न पाया कोई पार कि- लीला तेरी तू ही जाने :

महाकाल की महानता

सृष्टि में जब समस्त जीव-जगत के पशु-पक्षी, जीव-जन्तु, महिला-मानव, मलिनता में मदमस्त या लिप्त होकर अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा, चेतना, शक्ति, हिम्मत, आत्मबल, आत्मविश्वास खो चुके होते हैं, तब यही वो काल प्रदोष, अंधियारा उत्पन्न करता है। फिर, दु:खी-पीडित संसार की रक्षा मात्र महाकाल ही कर पाते हैं।

अगर गुजरे हुए कल और आने वाले हलाहल, कल तथा कष्टरुपी दुष्टकाल से बचना है, तो इस बार शिवरात्रि की रात जागरण अवश्य करें।

महाशिवरात्रि का महामन्त्र है - ॐ शम्भूतेजसे नम:शिवाय

रात भर जपकर आप मोह-माया के जाल काटें और अपनी खाल को दुरुस्त बनाकर पूरे साल, हर हाल में प्रसन्नता पा सकते हैं। यह प्रयोग अगले साल आपको हर मामले में मालामाल कर देगा।

माइंड की आदत हर चीज फाइंड करने की होती है और इसे रिफाइंड करने के लिए गॉड यानि शिव के काइंड (कृपा) की आवश्यकता है। इसलिए महाशिवरात्रि की रात शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करके सन्सार के सर्वाधि सिद्धि-समृद्धि वसले इंसान बन सकते है।

संकल्पों में सहायक शिवरात्रि - संकल्प कैसे आता है-

स्वल्पमयस्य धर्मस्य जायते महतो भयान,
शिवसंकल्परुपेण अनेन व्रतेन वान्छित फल प्राप्यते

संकल्प का प्रादुर्भाव शिव भक्ति से आता है। जब हम शिवजी के लिए व्रत-उपवास, दुखियों का उपचार करते हैं, तो हमारा मन आत्मबल से भर जाता है।

अनंतकाल शिव ही सत्य है और इसी में सुंदरता का वास है। सत्य की शक्ति, आत्मविश्वास, अहिंसा, समरसता और जगत को अपना बनाने व मानने की हिम्मत व्रत-उत्सवों से मिलती रही है।

शक्ति बिना सब सूना

शक्ति चेतना का रुप है और अगर शिव में शक्ति हटाने का प्रयास भी किया जाए तो पीछे शव ही रह जाता है। शक्ति का शिव और शिव का शक्ति के मिलन की अवस्था हो शिव है। इसलिए शिव को अर्नारीश्वर भी कहते है। शिव को ऋग्वेद में रुद्र रुप में पूज्यकर उनके रुद्र स्तवन में स्तुति की है। शिव पुराण, लिंग, पुराण, स्कन्दपुराण, मत्स्य पुराण कर्म पुराण और ब्रह्मांड पुराण - यह छह पुराण तो पूर्णत: शैव उपासना से भरे पड़े हैं। मानसिक मंथन करें, तो गहन अंधकार से जागना, स्वयं को उबारना आदि संकल्प हमें शिवरात्रि से सीखने को मिलता है। भारत की परंपरा है कि - 7 वारों में 9 उत्सव मनाते हैं क्योंकि उत्सव से उत्साह, उमंग, ऊर्जा की प्राप्ति होती है। उत्सवों, त्योहार, व्रत-उपवास से हमें शक्ति मिलती है।

शिवरात्रि का महत्व इसलिए ज्यादा है क्योंकी ये शिव संकल्प का उत्सव है। आज की रात शिवलिंग पर रुद्राभिषेक कर सुखी जीवन का संकल्प किया जाता है।

शिवभक्त संकल्पवान होते हैं, जो एक बार मन में ठान लिए उसे पूर्ण करने के लिए जी-जान लगा देते हैं। शिव-संकल्प का शुभ परिणाम है कि अयोध्या में राम मंदिर का नवनिर्माण तथा काशी में बाबा विश्वनाथ की जगत में वाह-वाह हुई और वाहेगुरु की कृपा से 3000 स्के.फिट का मन्दिर परिसर 5 लाख वर्गफुट का हो गया। कल्पना भी नहीं कि थी किसी ने कि कभी विश्वनाथ ज्योर्तिलिंग से सीधा माँ गंगा से मिलन हो पायेगा। शिव संकल्प से ही भारत का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। दुनिया में आज हमारा भी वजूद स्थापित हो गया। भारतीय संस्कृति में संकल्प यानि शिव का इतना गुणगान है कि वैदिक मंत्रों में हजारों बार तन्मे मन: शिवसंकल्पमस्तु की आवृत्ति होती है।

शिवपुराण लिखता है कि शिव का नाम ही संकल्प है अर्थात जहां जुबां पर शिव है, वही संकल्प भी है। बिना शिव के सब शव है। बाद एक छोटी (इ) की मात्रा हटाना-जोड़ना है।

शिवसंकल्प की यह प्रवृत्ति एवं आवृत्ति आदिकालीन है। सतयुग से आज तक सब कुछ शिव पर सदा है, शिव से सन्सार सजा है। दुनिया में रौनक शिवलिंगों से ही है।

चिंतन करेंगे, तो पाएंगे कि मानव मस्तिष्क का रुप आकार शिवलिंग की तरह है और अगर अपने दोनों हाथ आगे कर लें, तो जलहरी बनकर व्यक्ति पूरी तरह शिव हो जाता है। अवधूत अघोरी अपनी ध्यान साधना, मानव पूजा के द्वारा अपने शरीर से 108 शिव मुद्रा बनाकर शिवसाधना करते हैं। वैदिक परम्परा के हिसाब से सम्पूर्ण जगत ही शिवमय है। शिवसंकल्प की शक्ति का अहसास रामायण और महाभारत काल में भी हुई।

आधुनिक वीरों ने भी भारत की अस्मिता, मानसम्मान शिव संकल्प की दम ही बचाये रखा। ऐसे महावीरों पर हमें गुमान है। हमारा यह शिवसंकल्प सन्सार का मार्गदर्शन कर रहा है।

शिव-शक्ति के मिलन का उत्सव

मानवता और राष्ट्ररक्षा का संकल्प ही कावरों में गंगाजल भरकर कावड़ियों की टोली शिव के द्वार जाने को आतुर रहती है। यह यात्रा 200 से 800 किलोमीटर की होती है, लेकिन शिवसंकल्प से साथ यह शवयात्रा पूर्ण होती है।

शिव बिना सब शव और शक्तिहीन

तन्दरुस्त हों, तो शक्ति हमारे अंदर से आती है और स्वस्थ्य जीवन तथा रोगप्रतिरोधक क्षमता शिव से आती है। क्योंकि शिव के अलावा इस ब्रह्माण्ड में कोई भी देवता ब्रह्मचारी नहीं है।

देह को दीर्घकाल तक जीवित रखने हेतु चिरस्थाई शक्ति की जरुरत होती है और इसका मूल साधन ब्रह्मचर्य है। सृष्टि में हो या अन्तर्मन की शांति शिव से ही है। इसके लिए संकल्प हो कि शिव के अतिरिक्त सब व्यर्थ है।

शक्ति सयंम की हो या उन्नति की अगर चाहिए, तो शिव से जुड़ना ही पड़ेगा। अत: भटकना बेवकूफी है।

स्कंध पुराण के अनुसार, पृथ्वी के गहन अंधकार का नाश करने हेतु महाशिवरात्रि की रात ही भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले ज्योतिर्लिंग के रुप में प्रकट हुए थे। महादेव-महादेवी की इस रात मैरिज एनिवर्सरी भी है।

प्रार्थना और प्रयास से सफलता निश्चित मिलती है, भारतीय संस्कृति की सत्यता है कि खोजने से भगवान मिल जाते हैं और हृदेव को पूजने से संस्कार के सब सुख। जगतगुरु आदिशंकराचार्य ने अपने एक स्त्रोत में कहा है- चिदानन्दरुपा शिवोहं-शिवोम् अर्थात हम शिव उपासना करें, तो एक दिन स्वयं ही शिव बन सकते हैं। हमारी आत्मा का रुप हो या सूर्य का, ये सब शिवलिंग स्वरुप ही हैं। हमारा मस्तक शिव के आकार का है। यदि माने, तो मैं शिव हूँ मैं शिव हूँ मैं शिव हूँ-

विभत्स हूँ, विभोर हूँ, मैं समाधि में ही चूर हूँ।
घनघोर अंधेरा ओढ़कर मैं जनजीवन से दूर हूँ।
श्मशान में हूँ, नाचता मैं मृत्यु का गुरुर हूँ।
मैं राख हूँ,, मैं आग हूँ, मैं ही पवित्र राष हूँ।
मैं पंख हूँ, मैं श्वांस हूँ, मैं ही हाड़ मांस हूँ।
मैं ही अन्त हूँ और मैं ही आदि अनन्त हूँ।
मैं शिव हूँ, मैं शिव हूँ, मैं ही शिव हूँ।।

पहले समय में बुजुर्ग कहते थे की मशहूर होने के लिए मजदूर बनना पड़ता है। कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। बड़ी-बड़ी मजबूरी को मजदूरी यानी परिश्रम से मिटाया जा सकता है। मजबूरी और मजदूरी, रोजी-रोटी रोजगार और परिवार चलाने के लिए मजदूरी अर्थात यात्रा करना मेरी मजबूरी रही। इसी कारण अपनों से दूरी भी रहे। जीवन में जो लोग मजे से दूर हैं, वही मजबूर हैं।

भविष्य में कभी 5000 से भी ज्यादा दुर्लभ शिवालय के बारे में जानकारी दी जाएगी। फिलहाल संक्षिप्त जानकारी दी जा रही है, ताकि पाठकों की रुचि बढ़े -

क्या आपको पता है कि भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों के अलावा पांच महत्वपूर्ण पंचतत्व शिंवलिंग भी है। आकाश, अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी इन पांचों तत्वों के अलग-अलग शिवालय हैं। चिदम्बरम का शिवमन्दिर आकाशतत्व शिवलिंग है। अग्नितत्व शिवलिंग बैंगलौर से 200 किमी दूर तिरुअन्नामलय शहर में अरुणाचलेश्वरा के नाम से है, यहां 14 किमी की गिरी परिक्रमा लगाने का विधान है। त्रिची का जम्बुकेश्वर जलतत्व शिंवलिंग है। श्रीकालाहस्ती वायुतत्व और एकम्बरेश्वर पृथ्वीतत्व चेन्नई के पास स्थित है।

नवग्रहों के स्वयम्भू शिवालय, नवग्रह के 9 शिवालय भी अलग हैं।

तिरुनागेश्वरं कोइल राहु का, तिरुनल्लार शनिदेव का, एलनगुड़ी गुरु ग्रह का और सूर्यनारकोइल सूर्य ग्रह की शान्ति हेतु अदभुत है। घने वन में बसा दुनिया का एक मात्र राहु-केतु का शिवलिंग एक जहरीले तलाब के पास स्थित है। कुम्भकोणम से 7 किमी दूर महालिंग, कुम्भकोणम में सुंदरेश्वर, सोमेश्वर, बृहदेश्वर, मयूरनाथ (शाप मुक्ति हेतु) मुनीश्वर, अगस्तेश्वर आदि नाग वाम्बी से स्वयं प्रकट शिवलिंग हैं। त्रिदेव गुरु मन्दिर चमत्कारी है, जहाँ दक्षिणामूर्ति गुरु के समक्ष एक माला गुरु मंत्र या ॐ नम: शिवाय की करने के बाद ही शिंवलिंग के दर्शन हो पाते हैं। कपिलतीर्थ में हजारों नाग प्रतिमायें दर्शनीय हैं। वेल्लोर का जलकण्ठेश्वरं, महालक्ष्मी गोल्डन मन्दिर, चित्तूर जिले के कनिपाकम में स्वयम्भू गणेशजी, शिरकांजी की महाकाली, कालेश्वर शिव, त्रिकालेश्वर शिवलिंग। दातावरम के भीमा शिवलिंग, कुमारावरम का शंकर शिवालय स्कन्दपुराण के अनुसार ये दोनो मिलाकर मूल यानी ओरिजनल भीमा-शंकर ज्योतिर्लिंग हैं। नागमुक्ति नाथ, नागमले, मन्नारशाला विशेष सिद्ध नाग तीर्थ हैं। केरल का गुरुवायुर शबरीमाला तथा 227 नक्षत्र शिवलिंग के दर्शन दुर्लभ मलयदुथुराई का अमृतेश्वरा आदि।

18 - वेदेहीश्वरं कोइल का मूल वैधनाथ ज्योतिर्लिंग है। एक हजार आँख वाले शिवजी आदिकालीन स्वयम्भू शिंवलिंग हैं, जिनके दर्शन से निश्चित परिवर्तन होता है।

असम का तांत्रिक नवग्रह शिवमंदिर एकांत पहाड़ी पर बसा, लाखों साल पुराना है।

मेघालय के मोइसराम के जंगल में गुफा के अन्दर शेषनाग शिंवलिंग है, जहां छत में स्थित नागफनों से जल टप-टप बून्द-बून्द गिर रहा है। मोइसराम के इस शिवालय से बंग्लादेश की सीमा महज 4 किमी की दूरी पर है।

एक हजार आँख वाले शिवजी आदिकालीन स्वयम्भू शिवलिंग हैं, जिनके दर्शन से निश्चित परिवर्तन होता है।

भागने से ही भाग्य जगता है

सौ जगह भागने के कारण धीरे-धीरे सौभाग्य भी जागा। अध्यात्म सहित आत्मज्ञान पाया। जीवन ऊर्जावान होकर शक्तिपुंज का अनुभव हुआ। कभी भी-कहीं भी कोई प्राचीन शिवालय दिखता या कोई बताता, तो मैं वहां जरुर जाता। अपने पूरे जीवन में अभी तक सम्पूर्ण भारत के लगभग 30 हजार से ज्यादा सिद्ध, स्वयम्भू शिवलिंगों के दर्शन का मुझे भोलेनाथ ने मौका दिया। बुरे से बुरे वक्त में हमेशा यही सोचकर मन्दिर पहुंच जाता चलो भोले बाबा के द्वारे, सब कष्ट मिटेंगे तुम्हारे।

यह महादेव की विशेष कृपा है। जीवन में एक आत्मानुभूति जरुर हुई कि प्रवास के दौरान कहीं कोई 10 किमी के क्षेत्र में सिद्ध शिवलिंग है, तो मुझे शिवजी वहां खींच लेते हैं। विपरीत और खतरनाक परिस्थितियों में यही विचार करता कि

वादे-बाहरी जरा आहिस्ता चल,
इन दिनों, जी मेरा अच्छा नहीं है।
मेरी जिंदगी का क्या भरोसा,
आज है, सुनते हैं कल नहीं है।।

भोलेनाथ ने मुझे दु:ख-तकलीफ एव कष्टों ने खतरों से खेलना सीखा दिया।

अमरनाथ का महत्व और हिम शिवलिंग का रहस्य जानकर दिमाग ही चक्र जाएगा।

- बद्रीनाथ की विशालता अनन्त है। भगवान विष्णुजी को सुदर्शन चक्र भोलेनाथ ने यहीं पर प्रदान किया था।
- कालसर्प क्या है?
- क्या आपको पता है?

गरीबी कष्ट का कारण पितृदोष है।

- झड़ते, टूटते एवं गिरते बालों की तुरन्त रक्षा कैसे करें।

शिव ही सब, शिव ही शून्य हैं- सृष्टि में सदियों से सभी आत्माओं की शिव से शव और शव से शिव बनने के प्रक्रिया निरन्तर चलायमान है। दक्षिण भारत के तिरुणामलय नामक शहर में स्थित स्वयम्भू अग्नितत्व शिवलिंग श्री अरुणाचलेश्वरा महादेव के परम भक्त, तपस्वी महर्षि रमण कहते थे-

आज के आधुनिक विज्ञान ने सिद्ध-साबित किया है कि इस सृष्टि में सब कुछ शून्यता से आता है और वापस शून्य में ही चला जाता है।

इस अस्तित्व का आधार और संपूर्ण ब्रम्हांड का मौलिक गुण ही एक विराट शून्यता है। उसमें मौजूद आकाश गंगाएं केवल छोटी-मोटी गतिविधियां हैं, जो किसी फुहार की तरह हैं। उसके अलावा सब एक खालीपन है।

काशी विश्वविद्यालय के महान विद्वान द्वारा लिखी गई मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य किताब में बताया है कि-

संसार जिन्हें महादेव शिव नाम से जानता, समझता वही सब दु:ख-सुख का कर्ता-धर्ता है। शिव ही वो गर्भ हैं जिसमें से सब कुछ जन्म लेता है, और वही वो गुमनामी हैं, जिनमें सब कुछ फिर से समा जाता है। सृष्टि में सब कुछ शिव से आता है, और फिर से शिव में चला जाता है।

डमरु व प्रलय का गणित... तत्व संग्रह पुस्तक के मुताबिक - डमरु का नाद है, जो प्रत्येक चराचर जीव के शरीर में जो हृदय धडकता है। डमरु की रिदम या उसकी आवाज़ डम डम डम डम, धक धक धक धक होती है जब धडकन बदं हो जाती है तो ये केवल शव रह जाता है। स्वामी विवेकानन्द ने भी शून्य की व्याख्या कर विश्व को व्यथित, बेचैन कर चौंका दिया था।

काशी के एक शिव हठयोगी श्री श्री विश्वनाथ यति जी ने कहा है-

एक अंगूठा, चार उंगलियां, सब झूठा, सत्य नाम है शंकर।
वृक्ष में बीज, बीज में बूटा, सब झूठा सत्य नाम है शंकर।

इसकी व्याख्या बहुत विशाल है। आदिशंकराचार्य ने कहा है कि- व्यक्ति ठान ले, तो वह स्वयं ही शिव बन सकता है। उन्होंने अनेकों बार शिवोहम, शिवोहम अर्थात मैं शिव हूँ, मैं ही शिव हूँ - कहकर संसार को चेताया है। कभी ध्यान से चिंतन-मंथन करें, तो अनुभव होगा हमारा मस्तिष्क शिवलिंग की तरह ही है। और जलहरी या अरघा हमारे हाथ हैं। दोनों हाथों को आगे की तरफ फैलाएं, तो हृदय तक का हिस्सा अरघा सहित शिवलिंग बन जाता है।

अघोरी कहते हैं कि मन्त्र-जाप करते समय जप मन्त्रों को अपनी नाभि में एकत्रित करने से शीघ्र ही सिद्धि मिलती है अर्थात जैसे हम धन-सम्पदा, रुपये-पैसे को तिजोरी, अलमारी या बैंक में संग्रहित करते हैं, तभी वे सुरक्षित रहते हैं, वैसे ही हमें अपने जप-मन्त्रों को नाभि में स्टोर करने चाहिए। यह परम ज्ञान आज के गोरखधन्धे में लगे गुरुओं को भी कम है। परम् सूर्य उपासक स्वामी विशुद्धआनंद, इन्होंने दुनिया के महान वैज्ञानिकों के सामने सायनाइट विष पीकर सबको हिला दिया था। काशी में इनका आश्रम रेलवे स्टेशन के पास ही है। इनके अनुसार भगवान भोलेनाथ संसार की सारी विषरुपी नकारात्मक ऊर्जा यानि निगेटिव एनर्जी के मालिक हैं। शिव के हाथों में विष का प्याला है, जिसमें नकारात्मक ऊर्जा रुपी जहर एकत्रित होता रहता है, जिसे वे ग्रहण कर चराचर जगत को प्रसन्न रखने का प्रयास करते हैं। स्वामी जी के मुताबिक भोले की भक्ति से हमारी द्वेष-दुर्भावना, दुर्बलता, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुर्व्यवहार, जलन-कुढ़न, नीच प्रवृत्तियों का विनाश होने लगता है।

शिव की भक्ति से सौभाग्य जागकर दु:ख-दारिद्र दूर होने लगते हैं।

अत: शिवपुराण, लिंगपुराण, स्कंदपुराण तथा रुद्र उपनिषद, ईश्वरोउपनिषद आदि धर्मग्रन्थों में भोलेनाथ ही शिव अविनाशी, साकार-निराकर स्वरुप तथा परम पिता परमेश्वर हैं।

सनातन धर्म की यह बात तो जगतप्रसिद्ध है कि- ब्रह्मांड का कंकर-कंकर, शंकर है, जो भयंकर भी है और दयालु भी। शिव का अर्थ है- ईशवप्नईश्वर निराकार ओर शव साकार। यदि ई शब्द हटा दे तो केवल शव बचता है ओर पंचमहाभूतों यानी तत्वों में मिल जाता है। भोलेनाथ जगत की आत्मा और धड़कन है। शिव ही सब शरीरों में रम रहा है। महान महर्षियों की महानता....

सप्त ब्रह्मर्षि देवर्षि, महर्षि, परमर्षयरु।
कण्डर्षिश्च श्रुतर्षिश्च राजर्षिश्च क्रमावशरु।।

अर्थात - ब्रह्मर्षि, देवर्षि, महर्षि, परमर्षि, काण्डर्षि, श्रुतर्षि और राजर्षि। वैदिक काल में ये 7 प्रकार के ऋषिगण होते थे।

सभी सप्तऋषि भोलेनाथ के कठोर उपासक थे। इन सात ऋषियों ने भोलेनाथ के अलग-अलग 1008 नाम लिखे। ऐसे महादेव के कुल नाम 90 हजार से भी ज्यादा उपलब्ध ग्रन्थ-शास्त्रमत हैं। दुनिया को बस इतना ज्ञात है कि- शिव सहस्त्रनामावली में भोलेनाथ के केवल 1008 नाम हैं।

प्रतीक शास्त्र के हिसाब से बहुत कम लोगों को ज्ञात होगा कि सृष्टि के हरेक अस्त्र-शस्त्र-अस्त्र, सुदर्शन चक्र, पशुपात, त्रिशूल, अणु-परमाणु, यन्त्र-तन्त्र-मन्त्र, वेद-आयुर्वेद, ज्ञान-विज्ञान, आकाश, अग्नि, जल, वायु और पृथ्वी इन पंचमहाभूतों के आदि निर्माता भगवान शिव ही हैं। सबसे पहले यह ज्ञान महादेव ने आदिशक्ति माँ भगवती को दिया और कोई रहस्यमयी ज्ञान अपने गण नन्दीनाथ को दिया। अपने देखा होगा कि जंगल, गाँव आदि स्थानों पर शिवलिंग के समक्ष नन्दी अवश्य बैठे रहते हैं। भले ही उनके पुत्र, पत्नी पार्वती या गौरी बैठी हो या नहीं।

ये भौतिक दुनिया पँचमहाभूतो से बनी हुई और ये पंचमहाभूत तीन तत्वों से मिलकर बने हुए हैं। यही ब्रह्मा-विष्णु-महेश कहे जाते हैं। इन तत्वों को गॉड कह सकते है।

1. सत्व अर्थात - न्यूट्रॉन,
2. तमस यानि - इलेक्ट्रॉन तथा
3. रजस मानते हैं - प्रोटोन को।

आदि-अनन्त, अविनाशी, अजन्मा, त्रिकालदर्शी, त्रिलोचन, त्रिलोकीनाथ, त्रियोदशांग, त्रिगुणात्मक, त्रिनागेश्वरम, त्रिदेव, त्रिदोष, तृवंग, त्रयस, साकार-निराकार, अखण्ड ऊर्जा, योगी-भोगी, जन्म-मृत्यु से परे, नियंता, नियमरहित नित्य नए नाटक करने वाला नटराज। सम्पूर्ण ब्रह्मांड, जड़, चेतन, स्वर्ग, नरक सदाशिव से ही उत्पन्न हुआ है और अंत में सभी अपनी यात्रा पूरी करके वापस शिव में ही समाहित हो जाते हैं।

महाशिवरात्रि भारतीयों का एक प्रमुख त्यौहार है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ इसी दिन से हुआ। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (जो महादेव का विशालकाय स्वरुप है) के उदय से हुआ। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पार्वती के साथ हुआ था। साल में होने वाली 12 शिवरात्रियों में से महाशिवरात्रि को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत सहित पूरी दुनिया में महाशिवरात्रि का पावन पर्व बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। कश्मीर शैव मत में इस त्यौहार को हर-रात्रि और बोलचाल में हेराथ या हेरथ भी कहा जाता हैं।

साभार : विकिपिडीया

यौन शोषण आरोपी को २ वर्ष का सश्रम कारावास व २० हजार का जुर्माना

बुलंद गोंदिया - रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले रामनगर निवासी आरोपी शब्बीर अहमद खान (53) को ढाई वर्षीय नाबालिग का यौन शोषण करने के आरोप में दोषी करार देते हुए प्रमुख जिला व विशेष सत्र न्यायाधीश एसएएआरओटी द्वारा 2 वर्ष के सश्रम कारावास व 20 हजार रुपये दंड की सजा सुनाई।

गौरतलब है कि गोंदिया न्यायालय के विशेष कोर्ट विशेष सत्र न्यायालय द्वारा गत कुछ समय से दुष्कर्म हत्या के मामलों में जल्द से जल्द निर्णय दिया जा रहा है। जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाने के साथ ही आरोपियों में हड़कंप मचा हुआ है। इसी प्रकार का एक निर्णय 2 मार्च को दिया गया। जिसमें बाल यौन शोषण के मामले में दोषी आरोपी को 2 साल का सश्रम कारावास व 20 हजार का दंड लगाया गया है। प्रकरण इस प्रकार है कि 9 मार्च 2020 की दोपहर 2.30 बजे के दौरान आरोपी शब्बीर अहमद खान द्वारा पड़ोसी की ढाई साल की बालिका जो आंगन में खेल रही थी, को समोसा खिलाने का लालच देकर उसे अपने घर ले गया व और यौन शोषण का प्रयास किया। जब पीड़िता की माँ उसे तलाश करती वहां पहुंची तो इस घटना से दहल गई तथा उसने आरोपी के चुंगल से बच्ची को छुड़ाकर जोर से चिल्लाया। ढाई साल की बच्ची द्वारा इस घटना की जानकारी अपनी माश्र, मामा व अन्य को इशारे से बताई।

जिसके पश्चात बच्ची को न्याय मिले व आरोपी द्वारा इस प्रकार की घटना दोबारा न की जाए, इसे लेकर रामनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। जहां आरोपी के खिलाफ बाल लैंगिक अत्याचार प्रतिबंधक कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच तत्कालीन पुलिस अधिकारी अविनाश मते द्वारा कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया।

उपरोक्त प्रकरण में आरोपी के खिलाफ सरकार की ओर से विशेष सरकारी वकील कृष्णा पारधी द्वारा 5 गवाहों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। चिकित्सा अहवाल के आधार पर प्रमुख जिला सत्र न्यायाधीश व विशेष सत्र न्यायाधीश एसएएआरओटी द्वारा बाल लैंगिक अत्याचार संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 12 के तहत 2 वर्ष का सश्रम कारावास व 20 हजार दंड की सजा सुनाई। दंड की राशि न भरने पर आरोपी को 6 महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। जुर्माने की प्राप्त राशि पीड़िता को देने का आदेश दिया गया। मामले में पुलिस विभाग की ओर से पैरवी अधिकारी मापोसी नमिता लांजेवर व सुनीता लिल्हारे द्वारा न्यायालय कार्य में सहयोग दिया गया।

जननी के हत्यारे कपूत को सश्रम आजीवन कारावास

बुलंद गोंदिया - आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम बाम्हणी निवासी आरोपी प्रमोद मनीराम शेंडे (38) को अपनी ही माता की जघन्य हत्या के आरोप में दोषी करार देते हुए जिला न्यायाधीश-1 व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एन.बी. लवटे द्वारा सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

प्रकरण इस प्रकार है कि आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम बाम्हणी निवासी मृतक महिला मीराबाई मनीराम शेंडे (55) आरोपी की माता थी। आरोपी प्रमोद की पत्नी उसकी प्रताड़ना से तंग होकर घटना के 3 महीना पूर्व अपने मायके चली गई थी। आरोपी अपने माता-पिता के पास ही रहता था तथा घर के कोठे में सोता था। 28 अप्रैल 2020 की सुबह मनीराम शेंडे व उसकी पत्नी मीराबाई प्रतिदिन अनुसार सुबह 6 बजे उठकर कोठे से बकरी व गाय को बाहर निकालने के लिए गई, जहां आरोपी सोया हुआ था। जिसे उसकी माता मीराबाई ने उठने के लिए कहा। जिस पर आरोपी द्वारा आक्रोशित होकर खटिया फेंककर बाजू के कक्ष में जाकर कुल्हाड़ी लेकर आया व कोठे की सफाई कर रही अपनी माता के सिर पर कुल्हाड़ी से दो वार किये, जिससे वह गंभीर रुप से जख्मी हो गई। जिसका रक्त अधिक बह जाने के चलते उसे उपचार के लिए गोंदिया के जिला शासकीय चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

उपरोक्त मामले में फरियादी आरोपी के पिता मनीराम शेंडे द्वारा आमगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक संतोष जाधव द्वारा आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर, मामले की जांच कर न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया। इस मामले में न्यायालय में सरकार की ओर से जिला सरकारी वकील महेश चांदवानी व अतिरिक्त सरकारी वकील कृष्णा पारधी द्वारा फरियादी व अन्य महत्वपूर्ण गवाहों को न्यायालय के सामने पेश किया। चिकित्सा अहवाल व रासायनिक परीक्षण के आधार पर जिला न्यायाधीश-1 व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गोंदिया एन.बी. लवटे द्वारा सरकारी पक्ष द्वारा रखे गए सबूतों के आधार पर दोषी करार देते हुए भादवि की धारा 302 के तहत सश्रम आजीवन कारावास व 3000 जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना न भरने पर आरोपी को 3 महीने की अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतना होगा। उपरोक्त प्रकरण में पैरवी अधिकारी के रुप में पुलिस विभाग की ओर से मपोशि सुनीता लिल्हारे, पुलिस नायक सुनील बावनकर पुलिस स्टेशन आमगांव द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

स्पेशल टुरिस्ट ट्रेन द्वारा शक्तिपीठ की यात्रा का आयोजन

इंडियन रेल्वे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन का उपक्रम

इंडियन रेल्वे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन का उपक्रम 23 मार्च से एक विशेष यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें दक्षिण भारत के दर्शनीय स्थलों को देखने का मौका मिलेगा।

यह ट्रेन पुरी के जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर, धौलगिरी स्तूप, खंड़गिरी, कोलकता का कालीघाट और बिरला मंदिर, गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर और बालाजी मंदिर, गया में विष्णुपद मंदिर, और बोधगया में महाबोधि मंदिर जैसे दर्शनीय स्थलों के दर्शन करवाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए गोंदिया व भंडारा रोड़ रेल्वे स्टेशन पर बोर्डिंग की सुविधा रहेगी। यह गाड़ी दि. 23 मार्च 2022 को इतवारी से रवाना होगी। इस यात्रा की बुकिंग भी शुरु हो चुकी है। इस पैकेज में यात्रियों के लिए स्लीपर व थर्ड एसी क्लास की टिकिटे उपलब्ध है। स्लीपर का किराया 8505 रु. व थर्ड एसी क्लास का किराया 14175 रु रखा गया है। यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए शुध्द शाकाहारी भोजन व नान एसी बसों की सुविधा रहेगी। यात्रा बीमा भी किया जाने वाला है, जो इसी राशी में ही मिलेगा। स्लीपर क्लास के यात्रियों के लिए धर्मशाला या डारमेट्री की सुविधा दी जाएगी तथा थर्ड एसी क्लास के यात्रियों के लिए नान एसी होटल की सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रा की कुल अवधि 9 दिनों की है।

अधिक जानकारी के लिए आईआरसीटीसी की 24 घंटे खुली रहने वाली हेल्प लाईन क्र. 8287932242 पर संपर्क किया जा सकता है।

दुष्कर्म के आरोपी को २० वर्ष सश्रम कारावास व २ लाख का जुर्माना

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले तिरोड़ा शहर निवासी आरोपी अक्षय मनोहर वैद्य (22) को 11 वर्ष की नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दोषी करार देते हुए प्रमुख जिला व विशेष सत्र न्यायधीश एसएएआरओटी द्वारा 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 2 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

गौरतलब है कि 15 अक्टूबर 2020 की सुबह 8 बजे के दौरान फरियादी की काकीसास की मौत हो जाने पर वह अंतिम संस्कार से दोपहर को घर पर आयी। घर के सभी लोग अंतिम संस्कार में गए हुए थे। इसी दौरान फरियादी द्वारा अपनी 11 वर्षीय नाबालिग को पड़ोस के ही आरोपी की दुकान से फेयर एंड लवली लाने के लिए भेजा। किंतु पीड़िता काफी समय तक वापस न आने पर फरियादी द्वारा पीड़िता की तलाश के लिए आरोपी की दुकान पहुंची। किंतु आरोपी की दुकान बंद होने के चलते वह दूसरी दुकान पर अपनी बेटी को देखने के लिए गई। दूसरे दुकानदार ने बताया गया कि उसकी बेटी उसकी दुकान पर नहीं आयी। जिसके पश्चात फरियादी अपने घर वापस आ रही थी कि इसी दौरान आरोपी की किराना दुकान से पीड़िता रोती हुई बाहर निकलती हुई उसे दिखाई दी। उसने उसके साथ घटित हैवानियत की जानकारी दी। विशेष यह है कि घटना के दिन आरोपी द्वारा अकेलेपन का फायदा उठाते हुए पीड़िता को खाद्य पदार्थ खाने के लिए देकर उस पर लैंगिक अत्याचार किया था। जिस पर पीड़िता की माता द्वारा 15 अक्टूबर 2020 को तिरोडा पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया।

उपरोक्त शिकायत के आधार पर तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन ढोके द्वारा आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा 376(3), 376(एबी), सहायक धारा बाल लैंगिक अत्याचार संरक्षण कानून 2012 की 4 व 6 के तहत मामला दर्ज कर मामले की गहराई से जांच कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया था। उपरोक्त मामले में आरोपी के खिलाफ आरोप सिद्ध करने के लिए सरकार की ओर से विशेष सरकारी वकील कृष्णा पारधी द्वारा 8 गवाहों को न्यायालय के समक्ष पेश किया। गवाहों व सबूतों तथा चिकित्सा अहवाल के आधार पर आरोपी अक्षय वैद्य को दोषी करार देते हुए प्रमुख जिला व विशेष सत्र न्यायधीश एसएएआरओटी द्वारा बाल लैंगिक अत्याचार संरक्षण अधिनियम 2012 की कलम 4 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 2 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना न भरने पर आरोपी को 5 वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। जुर्माने की रकम भरे जाने पर उपरोक्त रकम पीड़िता को देने का आदेश दिया। इसके साथ ही मनोधैर्य योजना के अंतर्गत पीड़िता की चिकित्सा व पुनर्वासन के लिए जिला विधि सेवा प्राधिकरण को सहायता करने के लिए आदेश दिया। उपरोक्त मामले में पैरवी अधिकारी मापोशि सुनीता लिल्हारे व पोहवा शंकर साठवने द्वारा विशेष सहयोग किया।

स्टार इंटरनेशनल स्कूल गोंदिया द्वारा आयोजित

क्रिएटिव क्राफ्ट प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित स्टार इंटरनेशनल स्कूल, गोंदिया में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आंतरशालेय क्रिएटिव क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन गोंदिया शिक्षण संस्था के सचिव राजेंद्र जैन, संस्था संचालक निखिल जैन, संस्था समन्वयक जगदीश अग्रवाल एवं शाला के प्रधानाचार्य स्टीफन डेविड के मार्गदर्शन में किया गया। प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शाला समन्वयक जगदीश अग्रवाल तथा निर्णायक समिति के सदस्य मुकुंद धुर्वे, अविनाश गोंधुले, राकेश ढेकवार, कु. काँची शर्मा आदि उपस्थित थे। उपस्थित अतिथियों ने विद्यादायिनी माता सरस्वती एवं वैज्ञानिक सी.वी. रमण की प्रतिमा का पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलन कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

प्रदर्शनी में गोंदिया, तिरोड़ा, गोरेगाँव, आमगाँव, बालाघाट आदि स्थानों की शालाओं से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने विज्ञान एवं कला पर आधारित मॉडल्स प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिकता एवं कलात्मकता का परिचय दिया। समूह अ में कक्षा नर्सरी से कक्षा दूसरी के छात्रों ने व समूह ब में कक्षा तीसरी से कक्षा पाँचवीं के छात्रों ने प्रदर्शनी में भाग लेकर अपनी कल्पकता, सृजनात्मकता का परिचय दिया। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने सभी मॉडल्स का यथोचित निरिक्षण कर परिणाम घोषित किए।

प्रदर्शनी में समूह अ में स्टार इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा दूसरी के छात्र गौरांश कटरे ने प्रथम स्थान, कक्षा पहली के छात्र अयांश चंद्रिकापुरे ने द्वितीय तथा फौन्डेल किड्स स्कूल की कक्षा केजी2 के छात्र जयकारसिंह होरा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर शाला का गौरव बढ़ाया। कला प्रदर्शनी समूह ब में स्टार इंटरनेशनल स्कूल, गोंदिया की कक्षा तीसरी की छात्रा कु.त्रिशा सुतार व कक्षा पाँचवीं की छात्रा कु.तृष्णा सुतार ने प्रथम, कक्षा पांचवीं की छात्रा कु. नेहा ठाकुर ने द्वितीय तथा कक्षा पांचवीं के छात्र हर्ष कटरे ने तृतीय स्थान प्राप्त कर शाला का गौरव बढ़ाया। उसी प्रकार समूह अ में फौन्डेल स्कूल के छात्र नैरित बावने, कु. किंजल कुकरेजा व स्टार इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा कु. अनंशी पटले तथा समूह ब में फौन्डेल स्कूल, गोंदिया के छात्र देवयान अग्रवाल, ज्यु.कॉलेज गोरेगाव की कक्षा चौथी के छात्र अंशुल कामठे व भुवन डूंभरे को कंसोलेशन पुरस्कार दिया गया।

उपस्थित अतिथियों ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्तिपत्र एवं पुरस्कार प्रदानकर उनका उत्साहवर्धन किया व छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की। गोंदिया शिक्षण संस्था के सचिव राजेंद्र जैन, गोंदिया शिक्षण संस्था के संचालक निखिल जैन, शाला के प्रधानाचार्य स्टीफन डेविड, मैनेजमेंट कोर्डिनेटर जगदीश अग्रवाल ने छात्रों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ दी तथा आयोजन की सराहना करते हुए प्रदर्शनी की सफलता का श्रेय शाला के सभी शिक्षकों को दिया।

एक पिता से और क्या लेना है...?

रिया गाजीपुरे

जब कोई आपको अपनी बेटी दे रहा है, अर्थात वो अपनी पूरे जीवन की पूंजी आपको दे रहा है, क्योंकि माता-पिता के लिए उनकी संतान ही उनका असली धन है, जो अपने जिगर का टुकड़ा निकाल के आपको देने के लिए तैयार है, उनसे आप और क्या मांग लेंगे?

एक लड़की अपने पूरे सपने छोड़ के आती है, और आप पूछते है, की साथ में क्या लाई?

उस पिता के तो पैर धोकर पीना चाहिए, जो अपनी नन्ही-सी कली को खुद से दूर करता है, कितना साहस लगता है, अपने घर की बच्ची को कुछ क्षणों में पराया कर देने में...

और लोगो को बेटी के साथ साथ जमाने भर के सामान भी चाहिए, पैसा भी चाहिए, कुछ नहीं बोल बोल के भी अलग-अलग तरीकों से बेटी के घर से कितनी मांगे की जाती है।

एक पिता अपनी बच्ची को पूरा जीवन पालता है, पढ़ाता है, सिर ऊंचा करके चलना सीखाता है, लोगों की बातो को अनदेखा करके अपनी बेटी को आगे बढ़ाने में सब न्यौछावर कर देता है। और लोग पूछते है, बेटी को शादी में क्या देगा? बेटी के लिए क्या जमा किया है?

जिसने अपनी पूरी जमा पूंजी दे दी, जिसने अपनी परवरिश का खजाना दे दिया, अपने घर की रौनक दे दी, वो और क्या दे..?

कैसे बचे ये दुनिया

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज के इस छठे आकलन का पहला हिस्सा पिछले साल अगस्त में जारी हुआ था। अब आईपीसीसी दूसरी रिपोर्ट ने पर्यावरण संबंधी उन चिंताओं को और ज्यादा स्पष्टता और सटीकता से चित्रित किया है, जो पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ती जा रही हैं।

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के छठे आकलन की दूसरी रिपोर्ट ने पर्यावरण संबंधी उन चिंताओं को और ज्यादा स्पष्टता और सटीकता से चित्रित किया है, जो पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को जारी हुए इस दूसरे हिस्से में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के साथ ही अनुकूलन से जुड़े पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। आईपीसीसी के इस छठे आकलन का पहला हिस्सा पिछले साल अगस्त में जारी हुआ था। इसका तीसरा और अंतिम हिस्सा अगले महीने यानी अप्रैल में जारी होना है। पहले हिस्से में जलवायु परिवर्तन के वैज्ञानिक आधारों की पड़ताल की गई थी तो तीसरे हिस्से में उत्सर्जन में कमी की संभावनाएं टटोली जाएंगी। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि क्लाइमेट चेंज से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर समग्रता से विचार करके विस्तृत रिपोर्ट जारी करने का यह सिलसिला 1990 से शुरु हुआ। 1995, 2001, 2007 और 2015 में क्रमश: दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें आकलन के बाद यह छठा आकलन सामने आया है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि हर रिपोर्ट बार-बार उन्हीं खतरों का जिक्र करती रही है, जिनका कोई हल सामने आता नहीं दिख रहा। उलटे, हर रिपोर्ट के साथ वे खतरे और ज्यादा बढ़े हुए नजर आते हैं।

यह बात एक हद तक सही भी है और किसी न किसी रुप में इस ख्याल के लिए गुंजाइश बनाती है कि कहीं यह पूरी कवायद निरर्थक तो नहीं होती जा रही। मगर नहीं। क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग की विशाल चुनौतियों के सामने हमारे प्रयास भले ही नाकाफी साबित हुए हों, इसमें दो राय नहीं हो सकती कि अगर दुनिया इन चुनौतियों को लेकर एक तरह की सर्वसम्मति तक पहुंच सकी है और पेरिस एग्रीमेंट जैसा समझौता संभव हुआ है तो उसके पीछे आईपीसीसी के इन आकलनों की निर्णायक भूमिका रही है। और यही आकलन अब हमें बता रहे हैं कि पूर्व औद्योगिक युग के मुकाबले तापमान में इजाफे को 2 फीसदी तक सीमित करने का लक्ष्य अब निरर्थक सा हो चुका है। इसे 1.5 तक सीमित रखने का लक्ष्य ही रखना होगा। यह भी कि इस कठिन लक्ष्य को साधने की कोशिश काफी नहीं। इसे साध लें, तब भी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग के दुष्प्रभाव थोड़ा कम भले हो जाएं, पूरी तरह समाप्त नहीं होंगे। इसलिए हमें अनुकूलन से जुड़े पहलुओं पर विशेष ध्यान देते हुए कृषि और उद्योग संबंधी नीतियों में उन बदलावों पर काम करना चाहिए, जो इन्हें उन दुष्प्रभावों से उपजी स्थितियों के अनुरुप ढाल सकें। अगर अब भी हमने ढीला-ढाला रवैया जारी रखा तो समुद्र के जलस्तर में इजाफा, भीषण गर्मी और लू के थपेड़े तथा बेमौसम बारिश जैसी आपदाएं हमारा जीना मुश्किल कर देंगी।

मौत और मुआवजा

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भी यह बात सामने आई थी कि बड़ी संख्या में मौतें दर्ज नहीं हो पा रही हैं। जरुरी नहीं कि ऐसा इरादतन हो, इसके पीछे सरकारी तंत्र की सीमित पहुंच और क्षमता भी जिम्मेदार हो सकती है। लेकिन चाहे किसी भी वजह से हो, अगर हमारे आंकड़े वास्तविकता से मेल खाते हुए नहीं होंगे तो ये आगे भी कई तरह की जटिलता का कारण बनते रहेंगे।

कोरोना महामारी से हुई मौतों पर मुआवजे के दावों से जुड़े जो आंकड़े सुप्रीम कोर्ट के सामने आए हैं, उनसे कई नए सवाल खड़े हो रहे हैं। कई राज्यों में मुआवजे के लिए पेश किए गए दावों की संख्या कोरोना से मरने वालों की सरकार द्वारा बताई जा रही संख्या से आश्चर्यजनक रुप से ज्यादा है। इस अंतर के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है, जहां कोरोना से हुई मौतों की सरकारी संख्या 1,41,737 है तो मुआवजे के दावों की संख्या 2,13,890 पहुंची हुई है। अनुपात के लिहाज से देखा जाए तो गुजरात में मुआवजे के दावे मृतकों की संख्या से करीब नौ गुना और तेलंगाना में सात गुना ज्यादा हैं।

दोनों आंकड़ों में थोड़ा बहुत अंतर होने की संभावना पहले से जाहिर की जा रही थी। वजह यह थी कि सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजे के दायरे को सरकार की तय की हुई परिभाषा तक सीमित न रखते हुए उसे बड़ा कर दिया था। कोर्ट के फैसले के बाद कोरोना पॉजिटिव पाए ऐसे सभी मामले मुआवजे की रेंज में आ गए जिनमें एक महीने के अंदर मौत हुई हो, चाहे वह मौत कोरोना के बजाय किसी और बीमारी से हुई हो या संबंधित व्यक्ति ने खुदकुशी की हो। ऐसे में अगर सरकार द्वारा बताई गई मौत की संख्या के मुकाबले मुआवजों के ज्यादा क्लेम आ रहे हैं तो कुछ हद तक उसे स्वाभाविक कहा जा सकता है। लेकिन दोनों के बीच इतना बड़ा अंतर सचमुच अप्रत्याशित है।

इसके अतिरिक्त एक और ध्यान देने लायक बात यह है कि कुछ राज्यों में आंकड़े एकदम उलटी तस्वीर पेश करते दिख रहे हैं। पंजाब, कर्नाटक, असम और बिहार जैसे कई राज्यों में मुआवजे के लिए पेश किए गए दावों की संख्या मौत की सरकारी संख्या से काफी कम है। वैसे यह आंकड़ों की गड़बड़ी से ज्यादा लोगों में जानकारी की कमी का मामला हो सकता है। लेकिन मुआवजे के दावों की संख्या मौत के आंकड़ों से बहुत ज्यादा होना सचमुच गंभीर है। इससे इस आशंका की गुंजाइश बनती है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि मौत की संख्या को कम करके दिखाने की कोशिश हुई या मुआवजे के लिए फर्जी दावे पेश किए गए।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भी यह बात सामने आई थी कि बड़ी संख्या में मौतें दर्ज नहीं हो पा रही हैं। जरुरी नहीं कि ऐसा इरादतन हो, इसके पीछे सरकारी तंत्र की सीमित पहुंच और क्षमता भी जिम्मेदार हो सकती है। लेकिन चाहे किसी भी वजह से हो, अगर हमारे आंकड़े वास्तविकता से मेल खाते हुए नहीं होंगे तो ये आगे भी कई तरह की जटिलता का कारण बनते रहेंगे। भविष्य में रिसर्च के लिहाज से भी यह एक स्थायी मुश्किल बन जाएगी। इसलिए अब भी देर नहीं हुई है। अगर इन आंकड़ों को लेकर संदेह रह गए हों तो उन्हें अन्य उपलब्ध स्रोतों के जरिए क्रॉसचेक कर दुरुस्त कर लेने में ही समझदारी है।

ट्रेसिंग-टेस्टिंग-ट्रीटमेंट : ३-टी से रोका जा सकता है कोरोना संक्रमण

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में मार्च 2020 से कोरोना वायरस संक्रमण शुरु है। कभी डेल्टा वेरिएंट तो कभी ओमीक्रोन वेरिएंट ऐसे अलग-अलग रुपों में संक्रमण कोरोना का विकराल रुप सामने आ चुका है। गोंदिया जिले में संक्रमित मरीजों की संख्या व मृत्यु के आंकड़ों को देखते हुए जिले में संक्रमण का असर अभी भी शुरु है। जिस पर प्रतिबंधक उपाय योजना करने के लिए जिलाधिकारी नयना गुंडे जिप के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल के मार्गदर्शन में कड़े कदम उठाए जा रहे हैं।

वर्तमान परिस्थिति में कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए टीकाकरण का असरदार कार्यक्रम केंद्र शासन व राज्य शासन के मार्गदर्शन अनुसार बेहतर तरीके से चलाया जा रहा है। वर्तमान स्थिति में कोरोना संक्रमण की तीसरे चरण के असर को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा अलर्ट होते हुए ट्रेसिंग-टेस्टिंग व ट्रीटमेंट इन 3-टी के उपयोग कर संक्रमण पर नियंत्रण पाने का कार्य शुरु किया है।

ट्रेसिंग : पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आनेवाले सभी व्यक्तियों को स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से तलाश किया जा रहा है। पॉजिटिव मरीजों के संपर्क के समीप के लोगों को लोग अधिक संपर्क में आते हैं, उन व्यक्तियों को हाय-रिस्क तथा आसपास के व्यक्तियों को लो-रिस्क कांटेक्ट ऐसे दो भागों में विभाग द्वारा गणना कर उनका पंजीयन कर केंद्र शासन के दिशानिर्देशों अनुसार कोविड-19 में किया जा रहा है। ऐसे सभी लोगों की टेस्टिंग की जा रही है।

टेस्टिंग : कोरोना के समान लक्षण पाए जानेवाले सभी व्यक्तियों की कोविड-19 प्रयोगशाला में जांच की जा रही है। जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ग्रामीण चिकित्सालय, शासकीय चिकित्सालय के में रैपिड एंटीजन किट द्वारा जांच ओपीडी में, आरोग्य सेवा के दौरान प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारी के माध्यम से की जा रही है। आरटीपीसीआर जांच के नमूने लेकर जिले के शासकीय महाविद्यालय वैद्यकीय महाविद्यालय में जांच के लिए भेजा जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य कर्मचारियों के माध्यम से लक्षण नजर आनेवाले व्यक्तियों की जांच की जा रही है। सार्वजनिक स्थान दुकान, मॉल में व्यक्ति रिक्शा चालक बीमार व्यक्ति तथा सभी लक्षण आने वाले व्यक्तियों की जांच की जा रही है।

ट्रीटमेंट : कोविड-19 लक्षण वाले व्यक्तियों को लक्षण के अनुसार औषधी उपचार किया जा रहा है। कम लक्षण तथा पॉजिटिव मरीजों को 7 दिन के लिए होम आइसोलेशन तथा अधिक लक्षण वाले व्यक्तियों को तथा बीमार व्यक्तियों को कोविड-19 चिकित्सालय में दाखिल कर औषधोपचार किया जा रहा है।

कोरोना पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से रिट्रेसिंग टेस्टिंग फॉर ट्रीटमेंट उपाय योजना जिले में कोविड-19 पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से ट्रेसिंग, टेस्टिंग व ट्रीटमेंट उपाय योजना असरदार तरीके से कार्य कर रहा है। जिससे संक्रमण कम करने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रयास किया जा रहा है। साथ ही जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में रैपिड एंटीजन किट आरटीपीसीआर नमूने जमा करने के लिए लगने वाले बीटीएम ट्यूब भरपूर प्रमाण में उपलब्ध किया गया है। साथ ही जिले में डाटा एंट्री ऑपरेटर के माध्यम से कोविड-19 पर पंजीयन किया जा रहा है। होम आइसोलेशन में कम लक्षण वाले मरीजों को कम से कम 7 दिन के लिए घर में रहना आवश्यक है। ऐसे नागरिक कामों के लिए बाजार अथवा सार्वजनिक स्थान पर घूमने पर कोरोना संक्रमण बढ़ने की संभावना है।

- डॉ.नितिन कापसे, जि.स्वा.अधिकारी, गोंदिया

समय पर करे टीकाकरण

नागरिकों द्वारा संपूर्ण सुरक्षा के लिए कोविड-19 टीकाकरण के दोनों डोज तय समय के अंतर पर लेकर सुरक्षित रहने की आवश्यकता है। टीकाकरण होने के बाद भी नियमों का पालन करना जरुरी है। मास्क का इस्तेमाल, समय-समय पर हाथ धोना, भीड़ न करना तथा दो व्यक्तियों में सामाजिक अंतर रखना आवश्यक है।

- डॉ.दिनेश सुतार, अति.जि.स्वा.अधि. गोंदिया

गट विकास अधिकारी चंद्रमणी मोडक

६५ हजार की रिश्वत लेते एसीबी के जाल में

बुलंद गोंदिया - देवरी पंचायत समिति के गट विकास अधिकारी चंद्रमणी लक्ष्मणराव मोडक (57) को 65 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए 2 मार्च को गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा रंगे हाथों धरदबोच कर गिरफ्तार किया गया। प्रकरण इस प्रकार है कि शिकायतकर्ता सहकारी संस्था द्वारा ग्राम पंचायत के अंतर्गत विभिन्न शासकीय योजनाओं में शुरु कार्यों में लगने वाले साहित्य की आपूर्ति करती थी। जिनके द्वारा ग्राम पंचायत द्वारा टेंडर होने के पश्चात साहित्य आपूर्ति महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना के अंतर्गत वर्ष 2017 में ग्राम भागी व पिंडकेपार में की थी। जिसमें टेंडर प्राप्त होने के पश्चात दोनों ग्राम पंचायत के कार्यों के लिए अंदाजजन 38 लाख रुपए का साहित्य आपूर्ति किया था। जिसके बिलों की मंजूरी के लिए आरोपी द्वारा इसके पूर्व 30000 लिए थे तथा अन्य बिलो की मंजूरी के लिए 70000 के रिश्वत की मांग की थी। किन्तु फरियादी द्वारा रिश्वत न देने की मंशा जाहिर कर इस संदर्भ में आरोपी के खिलाफ 17 फरवरी को गोंदिया एसीबी में शिकायत दर्ज कराई गयी थी। जिसके पश्चात मामले की जांच कर 2 मार्च 2022 को पंचायत समिति कार्यालय देवरी में आरोपी द्वारा पंचों के समक्ष 65 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए धर दबोचा।

मामले में आरोपी के खिलाफ पुलिस स्टेशन देवरी में भ्रष्टाचार प्रतिबंधक अधिनियम सन 1988 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक राकेश ओला, अपर पुलिस अधीक्षक मधुकर गीते के मार्गदर्शन में गोंदिया एसीबी के उप अधीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर, सफौ खोबरागड़े, पोहवा राजेंद्र सेदरे, नापोशि राजेंद्र बिसेन, मंगेश काहालकर, संतोष बोपचे, संतोष शेंडे, मनापोशी संगीता पटले, चालक नापोशि दीपक बाटबर्वे द्वारा की गई।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्कूली बच्चों के भोजन पर पाबंदी

विद्यार्थी कर रहे भूखे पेट शिक्षाग्रहण

बुलंद गोंदिया - एक ओर शासन कोरोना संक्रमण के नाम पर स्कूलों में विद्यार्थियों को मिड डे मिल खिलाने पर बंदी लगा रही है। वहीं दुसरी ओर कार्यक्रमों में भोजन को अनुमति दी जा रही है। स्कूलों में विद्यार्थियों को भूखे पेट ही दोपहर बाद शिक्षाग्रहण करना पड़ रहा है। जिससे अब सवाल उठने लग रहे है शासन का यह कैसा निर्णय है?

गौरतलब है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए शासन ने स्कूलें बंद कर दी थी। लेकिन संक्रमण नियंत्रण में आने से धीरे-धीरे जिले की स्कूलें शुरु कर दी गई है। 1 फरवरी से कक्षा आठवीं से कक्षा बारहवीं तक की स्कूले शुरु की गई। उसके बाद 14 फरवरी से कक्षा पहली से कक्षा सातवीं तक की शालाएं शुरु की गई है। लेकिन इन विद्यार्थियों को स्कूलों में मिड-डे मिल अर्थात मध्यान्ह भोजन दिया जाता था, उसे बंद ही रखा गया है। जबकि जिले के कार्यक्रमों के आयोजनों में भोजन परोसने की अनुमति दी गई है। जिस पर अब सवाल उठाए जा रहे है कि शासन का यह कैसा निर्णय? क्योंकि छोटे विद्यार्थियों को दोपहर के दौरान भोजन आवश्यक है। लेकिन स्कूलों में भोजन बनाने से पाबंदी होने से उन्हें मजबूरन भूखे पेट ही दोपहर के बाद की शिक्षाग्रहण करना पड़ रहा है। यहां तक की अनेक स्कूले ऐसी है, जहां पर छोटे बच्चे तीन से चार किलोमीटर दुरी का अंतर तय कर शिक्षा का पाठ पढ़ने पहुंचते है। ऐसे में उन विद्यार्थियों को दोपहर का भोजन नहीं मिलने से उन्हें भूखा पेट ही रहना पड़ रहा है। मांग की जा रही है कि जिस तरह विवाह समारोह में तथा अन्य कार्यक्रमों में भोजन परोसने की अनुमति दी गई है, ठीक उसी तर्ज पर स्कूलों में भी मध्यान्ह भोजन देने की अनुमति दी जाए।

मिड-डे मिल के 1 लाख 16 हजार लाभार्थी

जिले में कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक शिक्षा का पाठ पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या 1 लाख 16 हजार है। यह विद्यार्थी मध्यान्ह भोजन के लाभार्थी है। लेकिन कोरोना संक्रमण के चलते इन विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन परोसा नहीं जा रहा है, बल्कि उन्हें चावल, चना और मुंग दाल पोषण आहार के रुप अनाज दिया जा रहा है।

7 माह का दिया गया अनाज

शासन के दिशानिर्देशों के अनुसार लाभार्थी विद्यार्थियों को अनाज के रुप में चावल, चना और मुंग दाल वितरित की जा रही है। अगस्त 2021 से फरवरी 2022 तक का अनाज विद्यार्थियों को दिए गए प्रमाण के अनुसार वितरित किया गया है। फिलहाल स्कूलों में मध्यान्ह भोजन नहीं पकाया जा रहा है।

- जयप्रकाश जिभकाटे,
पोषण आहार अधिक्षक, जिप गोंदिया

भोले बाबा की विहंगम बारात

भोलेनाथ के विवाह में झूमकर नाचे भक्तगण

बुलंद गोंदिया - भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहारों को मनाने की ऐसी नीति बनाई गई है, जिससे हर एक त्यौहार कुछ शिक्षा व प्रेरणा दे सके। त्योहारों के उत्सव को सामूहिक रुप से मनाए जाने की परंपरा के पीछे उनमें छुपे हुए संदेशों को समझाया गया। उसी परंपरा को निभाते हुए प्रभु श्री राम मंदिर, राम नगर में माँ नर्मदा भजन मंडल, महाकाल भक्त, श्री राम शाखा, गौ सेवा समिति एवं रामनगर परिवार द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष में भगवान शिव एवं माता पार्वती के विवाह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का स्वरुप अत्यंत दिव्य एवं भव्य था। बारात में हजारों की संख्या में बच्चे बूढ़े, महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे। बारात में मुख्य आकर्षण का केंद्र भूत-पिशाच, नंदी, किन्नर भी शामिल थे। जब सभी शिव धुन पर थिरकते थे तो बारात की शोभा देखते ही बनती थी। बारात के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पेयजल, नाश्ता, मट्ठा, फलाहार, साबूदाने की खिचड़ी एवं चाय की व्यवस्था भगवान शिव भक्तों द्वारा की गयी थी।

आगामी चुनावों में बसपा होगी निर्णायक भूमिका में - एड.संदीप ताजने

बुलंद गोंदिया - बहुजन समाज पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा सन्त गाडगेबाबा की जयंती के औचित्य को साधते 23 फरवरी से महाराष्ट्र के पूर्वी छोर पर बसे गोंदिया के स्थानीय गुरुनानक ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन से राज्य स्तरीय जनसम्पर्क अभियान की शुरुवात प्रदेश प्रभारी प्रमोद रैना एवं प्रदेश अध्यक्ष एड. संदीप ताजने की प्रमुख उपस्थिति में की गई।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए एड. ताजने ने कहा कि आगे भविष्य में प्रदेश में चाहे जो भी चुनाव आएंगे, बसपा की उसमें अहम भूमिका होगी। बसपा को नजरअंदाज कर महाराष्ट्र की राजनीति कोई कर न सके, ऐसी स्थिति आनेवाले दिनों में निर्मित करने के अपने संकल्प को दोहराते हुए कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि महाराष्ट्र में कैडर कैम्प, संगठन शक्ति और जनसम्पर्क के ताकत पर बसपा प्रदेश में कामयाबी की सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ते जा रही है। कार्यकर्ताओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने छोटे-मोटे मदभेद दूर कर एकसंग होकर अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए जी-जान से जुटना चाहिए।

इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी प्रमोद रैना ने कहा कि उत्तरप्रदेश से सबक लेकर महाराष्ट्र के लोगों ने भी सत्ता प्राप्ति के लिए संकल्पबद्ध होकर काम करना चाहिए। क्योंकि यह भूमि महापुरुषों की भूमि है, जिनको अपना आदर्श मानकर उत्तरप्रदेश के लोगों ने चार-चार बार सरकार बनाने का करिश्मा कर दिखाया।

कार्यक्रम में प्रदेश सचिव अविनाश वानखेड़े, जिला प्रभारी विलास राऊत, जिलाध्यक्ष दिनेश गेडाम, उपाध्यक्ष कैलाश बोरकर, कोषाध्यक्ष नुरलाल ऊके पंचायत समिति सदस्य राहुल मेश्राम इत्यादि प्रमुख रुप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश गेडाम एवं आभार प्रदर्शन शिशुपाल बंसोड़ ने किया। सम्मेलन में भारी संख्या में पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति ने मनाया महाशिवरात्रि पर्व

बुलंद गोंदिया - विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल द्वारा संचालित सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का महापर्व मनाया। गोंदिया के मोक्षधाम में स्थित भोलेनाथ भगवान की मूर्ति को 28 फरवरी के देर रात 12 बजे दूध और जल से अभिषेक किया गया और आरती की गई। उसके पश्चात सुबह 8 बजे सेवा समिति के सभी सदस्य परिवार सहित आकर भोलेबाबा की मूर्ति और पिंड की फुलहार से सजाया गया और पूजा अर्चना कर महाआरती की गई।

इस पर्व के कार्यक्रम में देवेश मिश्रा, उमेश मेंढे, कोमल धोटे, श्रीराम वाखले, श्रीधर पाठक, निखिल चौधरी. प्रकाश रक्सेल, दिनेश द्विवेदी, शैलेश गर्ग, भारत शुक्ला, बंडू सातव, महेश मिश्रा, अशोक शरणागत, गणेश जांगजोड़, छोटू डोहरे, तोलाराम मनकानी, भूषण गिऱ्हे, संजय पटेल, कृष्णकांत बिसेन, योगेंद्र सोलंकी, हरीश अग्रवाल, बंटी मिश्रा, हार्दिक जीवनी, अविनाश मेंढे, संतोष चालके, दिलीप रक्से, अंकित कुलकर्णी स्मिता शरणागत, साधना मिश्रा, ललिता डोहरे, दीपाली डोहरे आदि उपस्थित थे।

गोंदिया जिला शिव भोजन संचालक मंडल ने सांसद प्रफुल पटेल को दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला शिव भोजन संचालक मंडल द्वारा गोंदिया स्थित निवास स्थान पर सांसद प्रफुल पटेल को ज्ञापन सौपकर विविध समस्याओ पर चर्चा की। शिव भोजन संचालको हो रही असुविधा व गोंदिया जिले में समय पर अनुदान नही मिलने, विविध समस्याओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर शिव भोजन संचालक के शिष्टमंडळ में सौरभ रोकडे, सुनील मिश्रा राहुल भोजनालय, दिवाकर सोनवाणे साईबाबा रेस्टॉरेंट, हर्षे भोजनालय, प्रेम भोजनालय, समाधान भोजनालय, साई भोजनालय, सचिन भोजनालय, माँ शारदा भोजनालय, गुप्ता रेस्टॉरेंट, उरकुडे डेली नीड्स, पोस पाईंट, मीनन काफी हाऊस, महावीर भोजनालय, लक्ष्मी शिव भोजन, माँ भवानी केटरर्स सहित अन्य उपस्थित थे।

कुड़वा जिला परिषद स्कूल की छात्राओं को आत्मसुरक्षा का प्रशिक्षण

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर से लगे ग्राम कुड़वा की जिला परिषद स्कूल की छात्राओं को निर्भया बेटी सुरक्षा अभियान के अंतर्गत व्यंकटेश स्पोर्ट्स एकेडमी एवं बहुउद्देशीय संस्था द्वारा सेल्फ डिफेंस (आत्म सुरक्षा) का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें करीब 90 छात्राओं ने इसका लाभ लिया। उपरोक्त प्रशिक्षण सेल्फ डिफेंस के मुख्य प्रशिक्षक दीपक सिक्का द्वारा दिया गया। उपरोक्त कार्यक्रम शाला की प्रधानाध्यापिका लहाने मैडम के मार्गदर्शन में विकास कापसे व शाला के कर्मचारियों तथा सहायक प्रशिक्षक हरसू बांधे, हिमांशु कावड़े, महिला प्रशिक्षक दिव्यानी हटवार का मुख्य सहयोग रहा।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।